



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण

EXTRAORDINARY

भाग III—खण्ड 4

PART III—Section 4

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 136]

नई दिल्ली, मंगलवार, जुलाई 5, 2011/आषाढ़ 14, 1933

No. 136]

NEW DELHI, TUESDAY, JULY 5, 2011/ASADHA 14, 1933

भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड

अधिसूचना

मुम्बई, 5 जुलाई, 2011

भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड (मर्चेन्ट बैंककार) (संशोधन) विनियम, 2011

फा. सं. एल.ए.डी-एन.आर.ओ./जी.एन./2011-12/09/21233.—बोर्ड, भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड अधिनियम, 1992 (1992 का 15) की धारा 30 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए एतद्वारा भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड (मर्चेन्ट बैंककार) विनियम, 1992 का संशोधन करने के लिए निम्नलिखित विनियम बनाता है, अर्थात् :—

1. इन विनियमों को भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड (मर्चेन्ट बैंककार) (संशोधन) विनियम, 2011 कहा जा सकेगा।
2. वे राजपत्र में उनके प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होंगे।
3. विनियम 2 में, खंड (कख) में, शब्दों "बोर्ड द्वारा जारी" के पश्चात् और शब्दों "रजिस्ट्रीकरण प्रमाणपत्र" के पूर्व शब्द "आरंभिक या स्थायी" अंतःस्थापित किये जाएंगे।
4. विनियम 3 में,—
 - (i) पार्श्व टिप्पण में, शब्द "प्रमाणपत्र" के पूर्व शब्द "आरंभिक रजिस्ट्रीकरण" अंतःस्थापित किये जायेंगे;
 - (ii) उप-विनियम (1) में, शब्दों "किसी व्यक्ति द्वारा" के पश्चात् और शब्द "प्रमाणपत्र" के पूर्व शब्द "आरंभिक रजिस्ट्रीकरण" अंतःस्थापित किये जाएंगे।

5. विनियम 8 निम्नलिखित से प्रतिस्थापित हो जायेगा, अर्थात् :—

"8. आरंभिक रजिस्ट्रीकरण प्रमाणपत्र प्रदान करना

- (1) बोर्ड, यह समाधान हो जाने पर कि आवेदक पात्र है, प्ररूप ख में आरंभिक रजिस्ट्रीकरण प्रमाणपत्र प्रदान करेगा और आवेदक को सूचना भेजेगा।
- (2) उप-विनियम (1) के अधीन प्रदान किया गया आरंभिक रजिस्ट्रीकरण प्रमाणपत्र आवेदक को इसके जारी किये जाने की तारीख से पांच वर्षों की कालावधि के लिए विधिमान्य होगा।
- (3) मर्चेन्ट बैंककार जिसे बोर्ड द्वारा रजिस्ट्रीकरण प्रमाणपत्र पहले ही प्रदान किया जा चुका हो, भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड (मर्चेन्ट बैंककार) (संशोधन) विनियम, 2011 के प्रारंभ से पूर्व, और जिसने तीन वर्षों की कालावधि पूरी न की हो,

तो यह समझा जाएगा कि उसे इसके रजिस्ट्रीकरण प्रमाणपत्र की तारीख से पाँच वर्षों की कालावधि के लिए आरंभिक रजिस्ट्रीकरण प्रमाणपत्र प्रदान किया गया है, दो वर्षों की शेष कालावधि हेतु फीस के भुगतान के अध्वधीन, जैसा इन विनियमों की अनुसूची II में विहित है।

- (4) आरंभिक रजिस्ट्रीकरण प्रमाणपत्र प्रदान किये जाने पर, मचैट बैंककार इन विनियमों की अनुसूची II के अनुसार फीस अदा करने का दायी होगा।”

6. विनियम 8 के पश्चात् निम्नलिखित नया विनियम अंतःस्थापित किया जायेगा, अर्थात् :—

“8क. स्थायी राजस्ट्रीकरण प्रमाणपत्र प्रदान करना

- (1) मचैट बैंककार जिसे विनियम 8 के अधीन आरंभिक रजिस्ट्रीकरण प्रमाणपत्र प्रदान किया गया हो या जिसके बारे में यह समझा गया हो कि उसे आरंभिक रजिस्ट्रीकरण प्रमाणपत्र प्रदान किया गया है, आरंभिक रजिस्ट्रीकरण प्रमाणपत्र की कालावधि समाप्त होने से तीन मास पूर्व, प्ररूप क में स्थायी रजिस्ट्रीकरण प्रमाणपत्र प्रदान किये जाने के लिए आवेदन कर सकेगा।
- (2) मचैट बैंककार जिसे बोर्ड द्वारा रजिस्ट्रीकरण प्रमाणपत्र पहले ही प्रदान किया जा चुका हो और जिसने पाँच वर्षों की कालावधि पूरी कर ली हो, भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड (मचैट बैंककार) (संशोधन) विनियम, 2011 के प्रारंभ की तारीख को, तो वह, रजिस्ट्रीकरण प्रमाणपत्र की विधिमान्यता समाप्त होने से तीन मास पूर्व या उससे पहले, प्ररूप क में स्थायी रजिस्ट्रीकरण प्रमाणपत्र प्रदान किये जाने के लिए आवेदन कर सकेगा।
- (3) उप-विनियम (1) या उप-विनियम (2) के अधीन आवेदन के साथ इन विनियमों की अनुसूची II में यथाविनिर्दिष्ट अप्रतिदेय आवेदन फीस संलग्न होगी।
- (4) स्थायी रजिस्ट्रीकरण प्रमाणपत्र प्रदान किये जाने के आवेदन के साथ उन परिवर्तनों के ब्यौरे संलग्न होंगे जो उस जानकारी में हुए हों जो बोर्ड को, यथास्थिति, आरंभिक रजिस्ट्रीकरण या नवीकरण मांगते समय प्रस्तुत की गयी थी, और यह कथन करते हुए एक घोषणा संलग्न होगी कि ऐसे ब्यौरों में यथाउल्लिखित परिवर्तनों से भिन्न कोई परिवर्तन नहीं हुए हैं।
- (5) उप-विनियम (1) या (2) के अधीन किये गये स्थायी रजिस्ट्रीकरण के आवेदन पर उसी प्रकार कार्यवाही की जाएगी मानो कि यह आरंभिक रजिस्ट्रीकरण प्रमाणपत्र प्रदान किये जाने के लिए एक नया आवेदन हो।
- (6) बोर्ड, यह समाधान हो जाने पर कि आवेदक पात्र है, प्ररूप ख में स्थायी रजिस्ट्रीकरण प्रमाणपत्र प्रदान करेगा और आवेदक को सूचना भेजेगा।
- (7) स्थायी रजिस्ट्रीकरण प्रमाणपत्र प्रदान किये जाने पर, मचैट बैंककार इन विनियमों की अनुसूची II के अनुसार फीस अदा करने का दायी होगा।”

7. विनियम 9 का लोप हो जायेगा।

8. विनियम 9क में, उपविनियम (1) में,—

- (i) आरंभिक वाक्य में शब्द “रजिस्ट्रीकरण” शब्दों “आरंभिक रजिस्ट्रीकरण” से प्रतिस्थापित हो जायेगा और शब्द तथा अंक “विनियम 9 के अधीन प्रदान किया गया कोई नवीकरण” शब्दों तथा अंक “विनियम 8क के अधीन प्रदान किया गया कोई स्थायी रजिस्ट्रीकरण” से प्रतिस्थापित हो जायेंगे;
- (ii) खंड (ख) में, शब्द “रजिस्ट्रीकरण या नवीकरण” शब्दों “आरंभिक रजिस्ट्रीकरण या स्थायी रजिस्ट्रीकरण” से प्रतिस्थापित हो जायेंगे;
- (iii) खंड (घ) में, शब्द “उसके प्रमाणपत्र या नवीकरण” शब्दों “आरंभिक रजिस्ट्रीकरण या स्थायी रजिस्ट्रीकरण” से प्रतिस्थापित हो जायेंगे।

9. विनियम 9ख का लोप हो जायेगा।

10. विनियम 10 में,—

- (i) उप-विनियम (1) में, शब्द तथा अंक “जहाँ विनियम 3 के अधीन प्रमाणपत्र दिए जाने या विनियम 9 के अधीन नवीकरण” शब्दों तथा अंकों “जहाँ विनियम 3 के अधीन आरंभिक रजिस्ट्रीकरण या विनियम 8क के अधीन स्थायी रजिस्ट्रीकरण प्रमाणपत्र प्रदान किये जाने” से प्रतिस्थापित हो जायेंगे।
- (ii) उप-विनियम (2) में, शब्द “रजिस्ट्रीकरण” शब्दों “यथास्थिति, आरंभिक रजिस्ट्रीकरण या स्थायी रजिस्ट्रीकरण” से प्रतिस्थापित हो जायेगा।

11. विनियम 11 निम्नलिखित से प्रतिस्थापित हो जाएगा, अर्थात् :—

“11. स्थायी रजिस्ट्रीकरण प्रमाणपत्र प्रदान करने से इंकार का प्रभाव

कोई आवेदक, जिसका स्थायी रजिस्ट्रीकरण प्रमाणपत्र प्रदान किये जाने का आवेदन बोर्ड द्वारा नामजूर कर दिया गया हो, वह सूचना की प्राप्ति की तारीख से ही मचैट बैंककार के रूप में कोई क्रियाकलाप नहीं करेगा :

परंतु यह कि बोर्ड, प्रतिभूति बाजार के विनिधानकर्ताओं (निवेशकों) के हित में, मचैट बैंककार को नामजुरी की सूचना की प्राप्ति से पूर्व लिए हुए क्रियाकलाप करने की अनुमति ऐसी शर्त के अधधीन दे सकेगा जो बोर्ड विनिर्दिष्ट करे।”

12. अनुसूची 1 में,—

i. प्ररूप क में,—

क. शब्द तथा अंक “विनियम 3” शब्दों, अकों तथा चिह्न “विनियम 3/विनियम 8क” से प्रतिस्थापित हो जाएंगे।

ख. शब्द तथा चिह्न “प्रमाणपत्र दिए जाने/प्रमाणपत्र के नवीकरण के लिए आवेदन” शब्दों तथा चिह्न “आरंभिक/स्थायी रजिस्ट्रीकरण प्रमाणपत्र प्रदान किये जाने के लिए आवेदन” से प्रतिस्थापित हो जाएंगे।

ii. प्ररूप ख में,—

क. शब्द तथा अंक “विनियम 8” शब्दों, अकों तथा चिह्न “विनियम 8/विनियम 8क” से प्रतिस्थापित हो जाएंगे।

ख. शब्द “रजिस्ट्रीकरण प्रमाण-पत्र” शब्दों तथा चिह्न “आरंभिक/स्थायी रजिस्ट्रीकरण प्रमाणपत्र” से प्रतिस्थापित हो जाएंगे।

ग. पैरा III निम्नलिखित से प्रतिस्थापित हो जाएगा, अर्थात् :—

“III. यह रजिस्ट्रीकरण प्रमाणपत्र.....सेतक/स्थायी रूप से विधिमान्य होगा, जब तक कि बोर्ड द्वारा निलंबित या रद्द न कर दिया जाए।”

13. अनुसूची 2 में,—

i. पैरा 1 तथा 2 निम्नलिखित पैरा से प्रतिस्थापित हो जायेंगे, अर्थात् :—

“1. प्रत्येक मचैट बैंककार आरंभिक रजिस्ट्रीकरण प्रमाणपत्र प्रदान किये जाने के समय रजिस्ट्रीकरण फीस के रूप में तेरह लाख तैंतीस हजार और तीन सौ रुपये की राशि अदा करेगा।

1क. विनियम 8 के उप-विनियम (3) के अधीन निर्दिष्ट मचैट बैंककार पैरा 2 के अधीन विहित फीस के आनुपातिक आधार पर दो वर्षों की शेष कालावधि के लिए फीस अदा करेगा।

2. मचैट बैंककार जिसे स्थायी रजिस्ट्रीकरण प्रमाणपत्र प्रदान किया हुआ हो, अपने रजिस्ट्रीकरण को प्रवृत्त रखने के लिए, यथास्थिति, आरंभिक रजिस्ट्रीकरण प्रमाणपत्र प्रदान किए जाने की तारीख से छठे वर्ष से, या नवीकृत रजिस्ट्रीकरण प्रमाणपत्र की कालावधि के पूरा होने से प्रत्येक तीन वर्ष पाँच लाख रुपये की फीस अदा करेगा।”

ii. पैरा 3 में,—

क. खंड (क) के पश्चात् एक नया खंड अंतःस्थापित किया जाएगा, अर्थात् :—

“(कक) पैरा 1क में निर्दिष्ट फीस मचैट बैंककार द्वारा, यथास्थिति, आरंभिक रजिस्ट्रीकरण प्रमाणपत्र प्रदान किये जाने की तारीख से तीन वर्षों की कालावधि के पूरा होने से तीन मास पूर्व, या इन विनियमों की अधिसूचना की तारीख से तीन मास की कालावधि के भीतर अदा की जाएगी।”;

ख. खंड (ख) निम्नलिखित से प्रतिस्थापित हो जाएगा, अर्थात् :—

“(ख) पैरा 2 में निर्दिष्ट फीस मचैट बैंककार द्वारा, स्थायी रजिस्ट्रीकरण प्रदान किये जाने के समय, विनियम 8क के उप-विनियम (6) के अधीन बोर्ड से सूचना की प्राप्ति की तारीख से पंद्रह दिनों के भीतर अदा की जायेगी और तत्पश्चात् फीस उस ब्लॉक की समाप्ति से तीन मास पूर्व अदा की जाएगी जिस ब्लॉक के लिए फीस अदा की जा चुकी हो।”

iii. पैरा 3क में, शब्द “विनियम 9 के उप-विनियम (1क) के अधीन रजिस्ट्रीकरण के नवीकरण” शब्दों “विनियम 8क के उप-विनियम (1) या उप-विनियम (2) के अधीन स्थायी रजिस्ट्रीकरण” से प्रतिस्थापित हो जाएंगे।

iv. पैरा 4 में, शब्द तथा अंक “1, 2 और 3क” शब्द तथा अंकों “1, 1क, 2 और 3क” से प्रतिस्थापित हो जाएंगे।

यू. के. सिन्हा, अध्यक्ष

पाद टिप्पणी :

1. मूल विनियम भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड (मर्चेन्ट बैंककार) विनियम, 1992 सं. एलई/11112/92, 22 दिसम्बर, 1992 को भारत के राजपत्र में प्रकाशित हुए थे।
2. भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड (मर्चेन्ट बैंककार) विनियम, 1992 तत्पश्चात् :
 - (क) 7 सितम्बर, 1995 को भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड (मर्चेन्ट बैंककार) (संशोधन) विनियम, 1995 सं. भाप्रविबो/एलई/1/9/95, द्वारा;
 - (ख) 28 नवम्बर, 1995 को भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड (फीस का संदाय) (संशोधन) विनियम, 1995 सं. का.आ. 939(अ), द्वारा;
 - (ग) 6 जून, 1996 को भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड (मर्चेन्ट बैंककार) (संशोधन) विनियम, 1996 सं. भाप्रविबो/एलई/III/5/96, द्वारा;
 - (घ) 9 दिसम्बर, 1997 को भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड (मर्चेन्ट बैंककार) (संशोधन) विनियम, 1997 सं. का.आ. 837(अ), द्वारा;
 - (ङ.) 15 दिसम्बर, 1997 को भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड (मर्चेन्ट बैंककार) (संशोधन) विनियम, 1997 सं. का.आ. 869(अ), द्वारा;
 - (च) 21 जनवरी, 1998 को भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड (मर्चेन्ट बैंककार) (संशोधन) विनियम, 1998 सं. का.आ. 74(अ), द्वारा;
 - (छ) 30 सितम्बर, 1999 को भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड (मर्चेन्ट बैंककार) (संशोधन) विनियम, 1999 सं. का.आ. 799(अ), द्वारा;
 - (ज) 17 नवम्बर, 1999 को भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड (मर्चेन्ट बैंककार) (दूसरा संशोधन) विनियम, 1999 सं. का.आ. 1119(अ), द्वारा;
 - (झ) 28 मार्च, 2000 को भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड (प्रतिभूति अपीलीय न्यायाधीकरण को अपील) (संशोधन) विनियम, 2000 सं. का.आ. 278(अ), द्वारा;
 - (ञ) 29 मई, 2001 को भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड (मध्यवर्तियों द्वारा विनिधान सलाह) (संशोधन) विनियम, 2001 सं. का.आ. 476(अ), द्वारा;
 - (ट) 27 सितम्बर, 2002 को भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड (जांच अधिकारी द्वारा जांच करने और शास्ति अधिशेषित करने के लिए प्रक्रिया) विनियम, 2002, सं. का.आ. 1045(अ), द्वारा;
 - (ठ) 1 अक्टूबर, 2003 को भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड (मर्चेन्ट बैंककार) (संशोधन) विनियम, 2003 सं. का.आ. 1154(अ), द्वारा;
 - (ड) 10 मार्च, 2004 को भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड (उपयुक्त तथा उचित व्यक्ति के लिए मानदंड) विनियम, 2004, सं. का.आ. 398(अ), द्वारा;
 - (ढ) 18 अप्रैल, 2006 को भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड (मर्चेन्ट बैंककार) (संशोधन) विनियम, 2006, सं. का.आ. 560(अ), द्वारा;
 - (ण) 3 मई, 2006 को भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड (मर्चेन्ट बैंककार) (दूसरा संशोधन) विनियम, 2006, सं. का.आ. 640(अ), द्वारा;
 - (त) 7 सितम्बर, 2006 को भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड (मर्चेन्ट बैंककार) (तीसरा संशोधन) विनियम, 2006, सं. का.आ. 1448(अ), द्वारा;
 - (थ) 28 मई, 2007 को भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड (मर्चेन्ट बैंककार) (संशोधन) विनियम, 2007, सं. 11/एलसी/जीएन/2007/2517, द्वारा;
 - (द) 31 मार्च, 2008 को भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड (फीस का संदाय) (संशोधन) विनियम, 2008, फा. सं. 11/एलसी/जीएन/2008/21669, द्वारा;
 - (ध) 26 मई, 2008 को भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड (मध्यवर्ती) विनियम, 2008, अधिसूचना सं. एलएडी-एनआरओ/जीएन/2008/11/126538, द्वारा;
 - (न) 26 अगस्त, 2009 को भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड (पूँजी का निर्गमन और प्रकटीकरण अपेक्षाएं) विनियम, 2009, अधिसूचना सं. एलएडी/एनआरओ/जीएन/2009-10/15/174471, द्वारा;

- (प) 13 अप्रैल, 2010 को भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड (मर्चेन्ट बैंककार) (संशोधन) विनियम, 2010, अधिसूचना सं. एलएडी-एनआरओ/जीएन/2010-11/04/1109, द्वारा
- (फ) 13 अप्रैल, 2011 को भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड (कुछ मध्यवर्तियों [इंटरमीडियरीज] के रजिस्ट्रीकरण की शर्तों में परिवर्तन) (संशोधन) विनियम, 2011, अधिसूचना सं. एलएडी/एनआरओ/जीएन/2011-12/03/12650, द्वारा संशोधित हुए थे।

**SECURITIES AND EXCHANGE BOARD OF INDIA
NOTIFICATION**

Mumbai, the 5th July, 2011

**SECURITIES AND EXCHANGE BOARD OF INDIA
(MERCHANT BANKERS) (AMENDMENT) REGULATIONS, 2011**

F. No. LAD-NRO/GN/2011-12/09/21233.—In exercise of the powers conferred by Section 30 of the Securities and Exchange Board of India Act, 1992 (15 of 1992), the Board hereby makes the following Regulations to amend the Securities and Exchange Board of India (Merchant Bankers) Regulations, 1992, namely :—

1. These Regulations may be called the Securities and Exchange Board of India (Merchant Bankers) (Amendment) Regulations, 2011.
2. They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.
3. In regulation 2, in clause (ab), after the words “certificate of” and before the words “registration issued by the Board” the words “initial or permanent” shall be inserted.
4. In regulation 3,—
 - i. in the marginal note, after the word “certificate” the words “of initial registration” shall be inserted;
 - ii. in sub-regulation (1), after the word “certificate” and before the words “shall be made” the words “of initial registration” shall be inserted.
5. Regulation 8 shall be substituted with the following, namely :—

“8. Grant of certificate of initial registration.

 - (1) The Board, on being satisfied that the applicant is eligible, shall grant a certificate of initial registration in Form B and shall send an intimation to the applicant.
 - (2) The certificate of initial registration granted under sub-regulation (1) shall be valid for a period of five years from the date of its issue to the applicant.
 - (3) The merchant banker who has already been granted certificate of registration by the Board, prior to the commencement of the Securities and Exchange Board of India (Merchant Bankers) (Amendment) Regulations, 2011, and has not completed a period of three years, shall be deemed to have been granted a certificate of initial registration for a period of five years from the date of its certificate of registration, subject to payment of fee for the remaining period of two years, as prescribed in Schedule II of these regulations.
 - (4) On the grant of a certificate of initial registration the merchant banker shall be liable to pay the fee in accordance with Schedule II of these regulations.”
6. After regulation 8, the following new regulation shall be inserted, namely :—

“8A. Grant of certificate of permanent registration.

 - (1) The merchant banker who has been granted or deemed to have been granted a certificate of initial registration under regulation 8, may, three months before the expiry of the period of certificate of initial registration, make an application for grant of a certificate of permanent registration in Form A.
 - (2) The merchant banker who has already been granted a certificate of registration by the Board and has completed a period of five years, on the date of commencement of the Securities and Exchange Board of India (Merchant Bankers) (Amendment) Regulations, 2011, may, three months before the expiry of validity of certificate of registration or before, make an application for grant of a certificate of permanent registration in Form A.
 - (3) An application under sub-regulation (1) or sub-regulation (2) shall be accompanied by a non-refundable application fee as specified in Schedule II of these regulations.

2496 GI/11-2

- (4) The application for grant of a certificate of permanent registration shall be accompanied by details of the changes that have taken place in the information that was submitted to the Board while seeking initial registration or renewal, as the case may be, and a declaration stating that no changes other than those as mentioned in such details have taken place.
- (5) The applicant for permanent registration made under sub-regulation (1) or (2) shall be dealt with in the same manner as if it were a fresh application for grant of a certificate of initial registration.
- (6) The Board, on being satisfied that the applicant is eligible, shall grant a certificate of permanent registration in Form B and shall send an intimation to the applicant.
- (7) On the grant of a certificate of permanent registration the merchant banker shall be liable to pay the fee in accordance with Schedule II or these regulations."
7. Regulation 9 shall be omitted.
8. in regulation 9A, in sub-regulation (1),—
 - (i) in the opening sentence the word "registration" shall be substituted with the words "initial registration" and the words and figure "renewal granted under regulation 9" shall be substituted with the words and figure "permanent registration granted under regulation 8A";
 - (ii) in clause (b), the words "registration or renewal" shall be substituted with the words "initial registration or permanent registration";
 - (iii) in clause (d), the words "certificate or renewal thereof" shall be substituted with the words "initial registration or permanent registration".
9. Regulation 9B shall be omitted.
10. In regulation 10,—
 - (i) in sub-regulation (1), the words and figures "under regulation 3 or of renewal under regulation 9" shall be substituted with the words and figures "of initial registration under regulation 3 or of permanent registration under regulation 8A".
 - (ii) in sub-regulation (2), the word "registration" shall be substituted with the words "initial registration or permanent registration, as the case may be,".
11. Regulation 11 shall be substituted with the following, namely :—

"11 Effect of refusal to grant certificate of permanent registration.

Any applicant, whose application for grant of a certificate of permanent registration has been refused by the Board, on and from the date of receipt of the communication, shall not carry on any activity as a merchant banker :

Provided that the Board may, in the interest of investors in the securities market, permit the merchant banker to carry on activities undertaken prior to the receipt of the intimation of refusal subject to such condition as the Board may specify."
12. In Schedule I,—
 - i. in Form A,—
 - a. the word and figure "Regulation 3" shall be substituted with the words, figures and sign "Regulation 3/Regulation 8A";
 - b. the words and sign "Application for Grant of Certificate/Renewal of Certificate" shall be substituted with the words and sign "Application for Grant of Certificate of Initial/Permanent Registration".
 - ii. in Form B,—
 - a. the word and figure "Regulation 8" shall be substituted with the words, figure and sign "Regulation 8/Regulation 8A".
 - b. the words "Certificate of Registration" shall be substituted with the words and sign "Certificate of Initial/Permanent Registration".
 - c. paragraph III shall be substituted with the following, namely :—

"III. This certificate of registration shall be valid from.....to...../for permanent, unless suspended or cancelled by the Board."

13. In Schedule II,—

i. paragraph 1 and 2 shall be substituted with the following paragraphs, namely :—

"1. Every merchant banker shall pay a sum of thirteen lakhs thirty three thousand and three hundred rupees as registration fee at the time of grant of certificate of initial registration.

1A. A merchant banker referred to under sub-regulation (3) of regulation 8 shall pay fee for the remaining period of two years on *pro rata* basis to the fee prescribed under paragraph 2.

2. A Merchant banker who has been granted a certificate of permanent registration, to keep its registration in force, shall pay a fee of five lakh rupees every three years from the sixth year from the date of grant of certificate of initial registration, or from completion of the period of renewed certificate of registration, as the case may be."

ii. in paragraph 3,—

a. after clause (a), a new clause shall be inserted, namely :—

"(aa) The fee referred to in paragraph 1A shall be paid by the merchant banker three months before completion of the period of three years from the date of grant of certificate of initial registration, or within a period of three months from the date of notification of these regulations, as the case may be."

b. clause (b) shall be substituted with the following, namely :—

"(b) The fee referred to in paragraph 2 shall be paid by the merchant banker, at the time of grant of permanent registration, within fifteen days from the date of receipt of intimation from the Board under sub-regulation (6) of regulation 8A and thereafter the fee shall be paid three months before expiry of the block for which fee has been paid."

iii. in paragraph 3A, the words "renewal of registration under sub-regulation (1A) of regulation 9" shall be substituted with the words "permanent registration under sub-regulation (1) or sub-regulation (2) of regulation 8A".

iv. in paragraph 4, the word and figures "1, 2 and 3A" shall be substituted with the word and figures "1, 1A, 2 and 3A".

U. K. SINHA, Chairman

[ADVT. III/4/69 ZB/11/Exty.]

Foot notes :

1. The principal regulations Securities and Exchange Board of India (Merchant Bankers) Regulations, 1992 were published in Official Gazette of India on 22nd December, 1992 *vide* No. LE/11112/92.
2. The Securities and Exchange Board of India (Merchant Bankers) Regulations, 1992 were subsequently amended on :
 - (a) September 7, 1995 by the Securities and Exchange Board of India (Merchant Bankers) Amendment Regulations, 1995 *vide* No. SEBI/LE/1/9/95.
 - (b) November 28, 1995 by the Securities and Exchange Board of India (Payment of Fees) Amendment Regulations, 1995 *vide* No. S.O. 939(E).
 - (c) June 6, 1996 by the Securities and Exchange Board of India (Merchant Bankers) Amendment Regulations, 1996 *vide* No. SEBI/LE/III/5/96.
 - (d) December 9, 1997 by the Securities and Exchange Board of India (Merchant Bankers) Amendment Regulations, 1997 *vide* No. S.O. 837(E).
 - (e) December 15, 1997 by the Securities and Exchange Board of India (Merchant Bankers) Amendment Regulations, 1997 *vide* No. S.O. 869(E).
 - (f) January 21, 1998 by the Securities and Exchange Board of India (Merchant Bankers) Amendment Regulations, 1998 *vide* No. S.O. 74(E).
 - (g) September 30, 1999 by the Securities and Exchange Board of India (Merchant Bankers) (Amendment) Regulations, 1999 *vide* No. S.O. 799(E).
 - (h) November 17, 1999 by the Securities and Exchange Board of India (Merchant Bankers) (Second Amendment) Regulations, 1999 *vide* No. S.O. 1119(E).

- (i) March 28, 2000 by the Securities and Exchange Board of India (Appeal to the Securities Appellate Tribunal) (Amendment) Regulations, 2000 *vide* No. S.O. 278(E).
- (j) May 29, 2001 by the Securities and Exchange Board of India (Investment Advice by Intermediaries) (Amendment) Regulations, 2001 *vide* No. S.O. 476(E).
- (k) September 27, 2002 by the Securities and Exchange Board of India (Procedure for Holding Enquiry by Enquiry Officer and Imposing Penalty) Regulations, 2002 *vide* No. S.O. 1045(E).
- (l) October 1, 2003 by the Securities and Exchange Board of India (Merchant Bankers) (Amendment) Regulations, 2003 *vide* No. S.O. 1154(E).
- (m) March 10, 2004 by the Securities and Exchange Board of India (Criteria for Fit and Proper Person) Regulations, 2004 *vide* No. S.O. 398(E).
- (n) April 18, 2006 by the Securities and Exchange Board of India (Merchant Bankers) (Amendment) Regulations, 2006 *vide* No. S.O. 560(E).
- (o) May 3, 2006 by the Securities and Exchange Board of India (Merchant Bankers) (Second Amendment) Regulations, 2006 *vide* No. S.O. 640(E).
- (p) September 7, 2006 by the Securities and Exchange Board of India (Merchant Bankers) (Third Amendment) Regulations, 2006 *vide* No. S.O. 1448(E).
- (q) May 28, 2007 by the Securities and Exchange Board of India (Merchant Bankers) (Amendment) Regulations, 2007 *vide* Notification No. 11/LC/GN/2007/2517.
- (r) March 31, 2008 by the Securities and Exchange Board of India (Payment of Fees) (Amendment) Regulations, 2008 *vide* F. No. 11/LC/GN/2008/21669.
- (s) May 26, 2008 by the Securities and Exchange Board of India (Intermediaries) Regulations, 2008 *vide* Notification No. LAD/NRO/GN/2008/11/126538.
- (t) August 26, 2009 by the Securities and Exchange Board of India (Issue of Capital and Disclosure Requirements) Regulations, 2009 *vide* Notification No. LAD/NRO/GN/2009-10/15/174471.
- (u) April 13, 2010 by the Securities and Exchange Board of India (Merchant Bankers) (Amendment) Regulations, 2010 *vide* Notification No. LAD/NRO/GN/2010-11/04/1109.
- (v) April 13, 2011 by the Securities and Exchange Board of India (Change in Conditions of Registration of Certain Intermediaries) (Amendment) Regulations, 2011 *vide* Notification No. LAD/NRO/GN/2011-12/03/12650.